

खरगोश और कछुए की कहानी – Short Story In Hindi With Moral

By - Storiesforkidsbedtime.com

एक नदी के किनारें घना जंगल था उस जंगल में अनेक जंगली जानवर रहते थे। वहाँ एक खरगोश और एक कछुआ भी रहता था। खरगोश सबसे तेज़ दौड़ता था वहीं दूसरी तरफ कछुआ बहुत धीरे-धीरे चलता था। खरगोश हमेशा कछुए का मज़ाक उड़ाता क्योंकि वह हमेशा धीरे चलता था। वह जब कभी भी कछुए को देखता उसका मज़ाक उड़ाता, “वो देखो फिर आ गया धीमा कछुआ। यहाँ आने के लिए इसे शायद 2 दिन लगा होगा।”

खरगोश को खुदपर बहुत ही ज़्यादा घमंड हो चुका था। अब वह लोगों को दिखने के लिए और कछुए को निचा साबित करने के लिए कछुए से जाकर कहा, “धीमी रफ़्तार वाले कछुए मई तुम्हें खुदको साबित करने का मौका देता हूँ। तुम और मैं आपस में एक दौड़ प्रतियोगिता करेंगे। हम दोनों में जो जीतेगा वहीं हममें से ज़्यादा तेज़ होगा।”

Read More - [Short Stories](#)

कछुआ बेचारा क्या करता उसने उस प्रतियोगिता के लिए हाँ कर दी। अब अगले दिन दोनों के बीच प्रतियोगिता होने वाली थी। जैसे ही अगले दिन की शुरुआत सूरज की किरणों के साथ हुई जंगल के सारें जानवर इकट्ठा होने लगे। जैसे ही खरगोश आया सब उसकी तारीफ करने लगे। सबका कहना था की खरगोश ही जीतेगा। फिर कुछ देर बाद कछुआ भी वहाँ पहुँचा। कछुए को देरी से आता देख सब उसे चिढ़ाने लगे, “देखो इसे आज के दिन भी देरी से आया है। ये कभी नहीं जीत सकता।” कछुए ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया।

दोनों दौड़ के लिए एक साथ खड़े हुए और दोनों के बीच प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता शुरू होते ही खरगोश पूरी रफ़्तार के साथ दौड़ने लगा। लेकिन, कछुआ अपनी धीमी चाल से आगे बढ़ता रहा। कछुआ बहुत तेज़ था उसने कम समय में लम्बी दूरी तय कर ली थी। कछुआ जब थोड़ा थक गया टब वह थोड़ी देर रुक गया। उसने पीछे मूड़कर देखा तो पीछे कोई भी नहीं था।

उस वक़्त कछुए ने सोचा, “अरे वाह! मैं तो बहुत आगे हूँ। मैं यह प्रतियोगिता बड़ी आसानी से जीत जाऊंगा। मैं थोड़ी देर इस पेड़ के नीचे आराम कर लेता हूँ।” अब खरगोश पेड़ के नीचे आराम कर रहा था। आराम करते-करते उसे नींद आ गई और वह सो गया।

दूसरी तरफ कछुआ आराम से चलता हुआ अपने मंज़िल की तरफ बढ़ रहा था। रास्ते में उसने खरगोश को सोता हुआ देखा और वह आगे बढ़ चला। अचानक खरगोश की नींद खुला और वह तुरंत भागा। जब वह अंतिम स्थान पर पहुँचा तो उसने देखा की कछुआ पहले से पहुँच चुका था और खरगोश वह प्रतियोगिता हार चुका था।

खरगोश की हार जाने से उसका सारा घमंड खतम हो गया और उसने कछुए से माफ़ी मांगी।

कहानी से हमें क्या सिख मिली ?

हमें इस कहानी से यह सिख मिली की घमंड करना और दूसरे का मज़ाक उड़ाना अच्छी बात नहीं होती।